भारोपीय परिवार

- विश्व का सबसे बड़ा भाषा परिवार
- भारत से यूरोप तक बोले जाने के कारण
- क्षेत्र-भारत से यूरोप तक
- एशिया में-

भारत,पाकिस्तान,बांगलादेश,अफ़ग़ानिस्तान,ईरान,ईराक.

- यूरोप में-

रूस,रूमानिया,फ्रांस,अमेरिका,जर्मनी

- मुख्य भाषाएः
- प्राचीन एवं आधुनिक

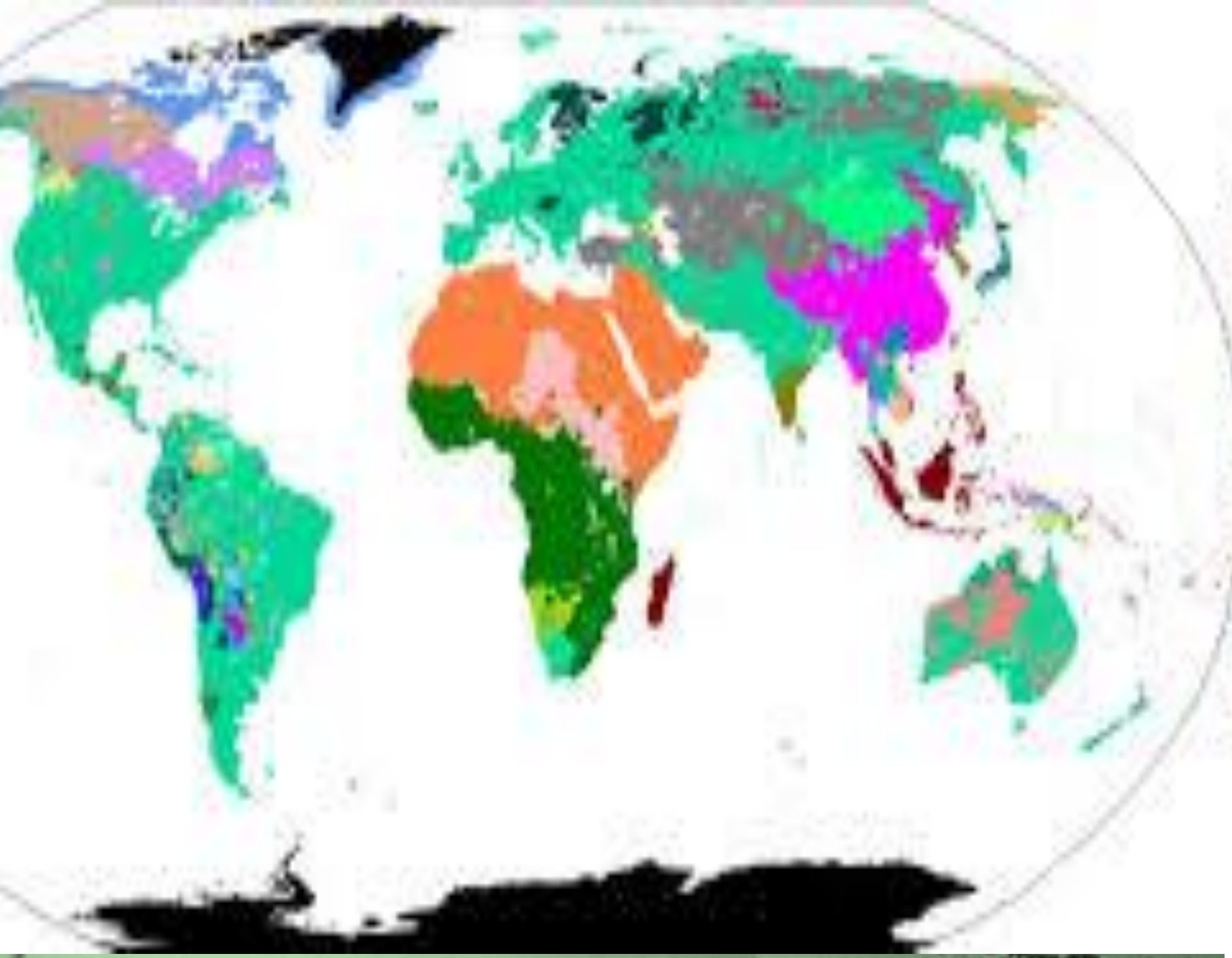

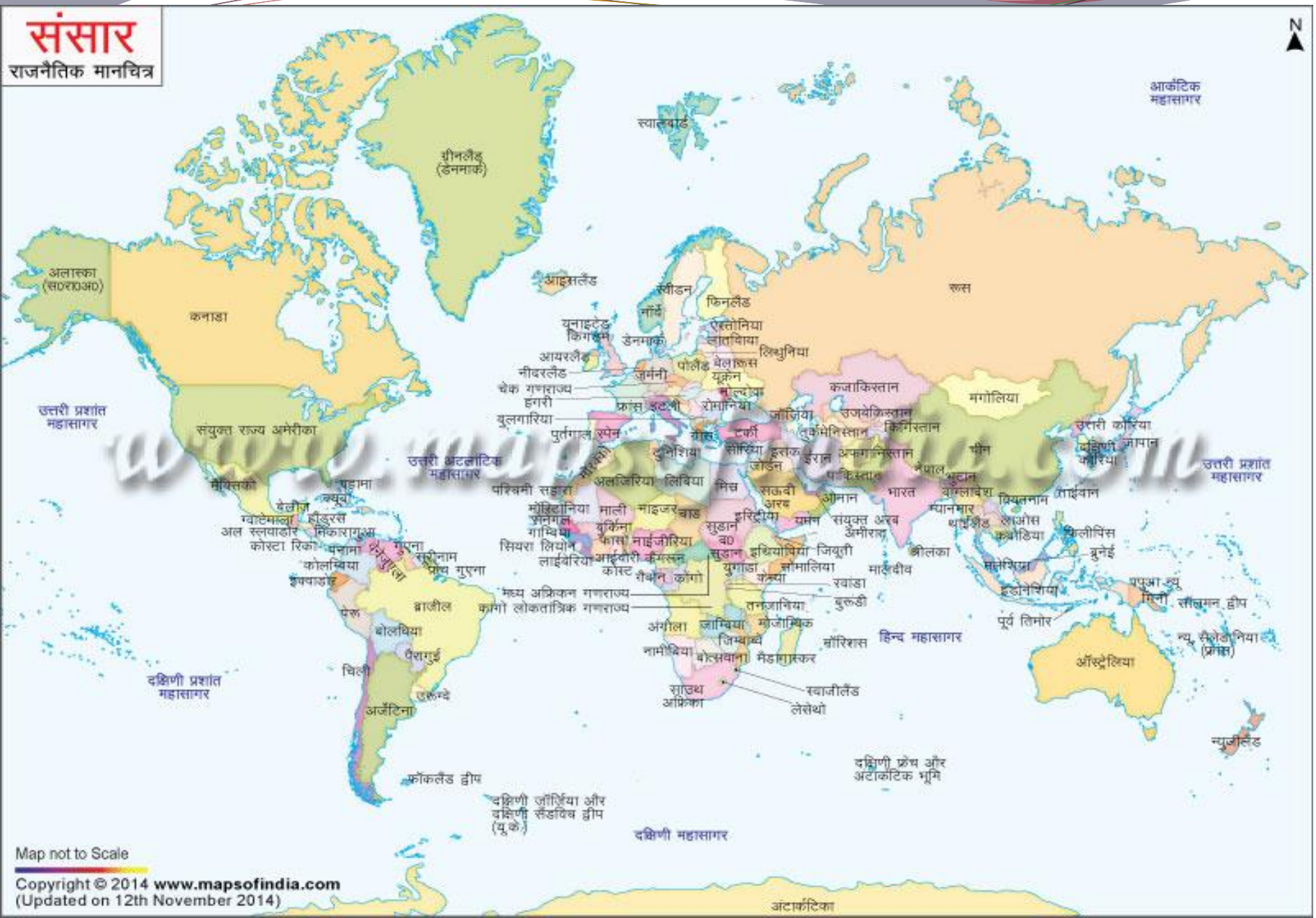

संसार
राजनैतिक मानचित्र
N
आर्कटिक महासागर
स्वालबार्ड
ग्रीनलैंड (डेनमार्क)
अलास्का
कनाडा
आइसलैंड
स्वीडन
फिनलैंड
नॉर्वे
रूस
यूनाइटेड किंगडम
डेनमार्क
एस्तोनिया
लातविया
लिथुनिया
आयरलैंड
नीदरलैंड
पोलैंड
बेलारूस
जर्मनी
यूक्रेन
चेक गणराज्य
हंगरी
फ्रांस
इटली
रोमानिया
बुलगारिया
जॉर्जिया
कजाकिस्तान
मंगोलिया
उज़बेकिस्तान
किर्गिस्तान
तुर्कमेनिस्तान
पुर्तगाल
स्पेन
ग्रीस
टर्की
ट्यूनीशिया
सीरिया
इराक
ईरान
अफगानिस्तान
चीन
जॉर्डन
उत्तरी कोरिया
दक्षिणी कोरिया
जापान
उत्तरी प्रशांत महासागर
संयुक्त राज्य अमेरीका
उत्तरी अटलांटिक महासागर
मोरक्को
अलजीरिया
लिबिया
मिस्र
पाकिस्तान
नेपाल
भूटान
मैक्सिको
क्यूबा
पश्चिमी सहारा
सऊदी अरब
भारत
बांग्लादेश
ताईवान
बेलीज
मॉरिटानिया
माली
नाइजर
चाड
ओमान
म्यानमार
वियतनाम
ग्वाटेमाला
हौंडुरस
सेनेगल
बुर्किना फासो
सूडान
इरिट्रिया
यमन
संयुक्त अरब अमीरात
थाईलैंड
लाओस
अल सल्वाडोर
निकारागुआ
गाम्बिया
कंबोडिया
फिलीपिंस
कोस्टा रिका
पनामा
गुयाना
सियरा लियोन
नाईजीरिया
दक्षिणी सूडान
इथियोपिया
जिबूती
श्रीलंका
ब्रुनेई
कोलम्बिया
सूरीनाम
फ्रेंच गुएना
लाईबेरिया
आईवरी कोस्ट
कैमरून
युगांडा
सोमालिया
मालदीव
मलेशिया
इक्वाडोर
गैबन
कांगो
केन्या
रवांडा
मध्य अफ्रिकन गणराज्य
बुरुंडी
इंडोनेशिया
पपुआ न्यू गिनी
सॉलमन द्वीप
ब्राजील
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य
तन्ज़ानिया
पेरू
अंगोला
जाम्बिया
मोज़ांबिक
पूर्व तिमोर
बोलिविया
जिम्बाब्वे
मॉरिशस
हिन्द महासागर
न्यू कैलेडोनिया (फ्रांस)
नामीबिया
बोत्सवाना
मैडागास्कर
पैराग्वे
ऑस्ट्रेलिया
चिली
दक्षिणी प्रशांत महासागर
स्वाजीलैंड
साउथ अफ्रिका
उरुग्वे
लेसोथो
अर्जेंटिना
न्यूज़ीलैंड
दक्षिणी फ्रेंच और अंटार्कटिक भूमि
फॉकलैंड द्वीप
दक्षिणी जॉर्जिया और दक्षिणी सैंडविच द्वीप (यू.के.)
दक्षिणी महासागर
Map not to Scale
Copyright © 2014 www.mapsofindia.com
(Updated on 12th November 2014)
अंटार्कटिका

भारोपीय कुल

केंतुम

1. केल्टिक
2. जर्मनिक
3. लैटिन
4. ग्रीक
5. तोख़ारी

सतम्

1. इलीरियन
2. बाल्टिक
3. स्लाव
4. आर्मीनियन
5. भारत-ईरानी

भारोपीय परिवार का विभाजन

- ध्वनि के आधार पर भाषाओं दो वर्गो में-केंतुम और सतम्
  लैटिन में केंतुम का अर्थ100और अवेस्ता में सतम् का अर्थ100.
- (क) केंतुम् वर्ग
  (1)केल्टिक-पहले मध्य यूरोप,उत्तरी इटली,फ्रांस,एशिया आदि बड़े भाग में । अब यह आयरलेंड,वेल्स,मानद्वीप
  मुख्य भाषाएःवेल्श,आयरिश,स्काच,मैक्स
  (2)जर्मनिक(ट्यूटॉनिक)-महत्वपूर्ण शाखा
  मुख्य भाषाएँ-आइसलैंडिक(आइसलैंड),डैनिस(डेनमार्क),
  नार्वजियन(नार्वे),स्वीडीश(स्वीडेन),अंग्रजी(इंग्लैंड,अमेरिका
  कनाडा,अफ्रीका,ओस्ट्रेलिया,आदि...

- (3)लैटिन(रोमांस इतालिक)
- भाषाएँ तथा क्षेत्र - इतालवी(इटली,सिसिली),रूमानियन(रूमानिया), फ्रांसीसी(फ्रांस),स्पेनिस(स्पेन),पुर्तगाली(पुर्तगाल)।

(4)ग्रीक(हेलेनिक)-

क्षेत्र-यूनान(ग्रीस)अल्बानिया,बुल्गारिया,तुर्की,सायप्रस,
भाषाएँ- मुख्य भाषा ग्रीक,संस्कृत से बहुत समान
समृद्ध साहित्य,

(5)तोख़ारी-क्षेत्र - मध्य एशिया का तुरफान प्रदेश,
महाभारत में- 'तुषार रूप',संस्कृत से बहुत समान

- (ख)सतम् वर्ग-

(1)इलीरियन(अल्बेनियम)-अल्बेनिया,यूनान मुख्य प्रदेश।
मुख्य भाषा-अल्बेनियन, अन्य भाषाएँ समाप्त ।
(2)बाल्टिक-मुख्य क्षेत्र*बाल्टिक सागर के किनारा
मुख्य भाषाएँ-लिथुआनियन(लिथुआनिया)लेटिश(लटाविया),
विकास कम, आज भी मूल भाषा निकट
(3)स्लाव-विभाजन,भाषाएँ और क्षेत्र:पूर्वी-रूसी(रूस),श्वेत रूसी (रूस के दक्षिणी भाग में),लघु रूसी(उक्रेन में)।पश्चिमी-पोलिश (पोलैंड),चेक(चेकोस्लोवाकिया),।दक्षिणी-बुल्गारियन(बुल्गारिया), सर्बो-क्रोशियन,स्लोवेनियम(युगोस्लाविया)।
(4)-आर्मीनियन-कुस्तुन्तुनिया तथा कृष्ण सागर इसका क्षेत्र इसकी स्तंबुल बोली यूरोप में अरारट एशिया में।

(5)भारत ईरानी-(हिंद-ईरानी या आर्य)महत्वपूर्ण शाखा

प्राचीनतम प्रामाणिक साहित्य-ऋग्वेद1500ई.पू.पारसियों का 'जेन्द अवेस्ता'7वींई.पू.।

भाषा विज्ञान के अध्ययन की सामग्री इस शाखा ने दी।

डो.जशाभाई पटेल